

India Post Payments Bank

Financial Inclusion of 100% adult population is a national objective. It is critical for the socio-economic development of the country. There are significant gaps in this area and a large proportion of country's population remain unbanked or underbanked. In order to effectively leverage the ubiquitous post office network with its pan-India physical presence and long experience in cash handling and savings mobilization, the India Post Payments Bank (IPPB) is being set up by the Department of Posts which will bridge the gap in financial inclusion.

As mandated by the RBI, the India Post Payments Bank (IPPB) would focus on providing basic financial services such as all kinds of payments; including social security payments, utility bill payments, person to person remittances (both domestic and cross-border), current and savings accounts upto a balance of Rs 1 lac, distribution of insurance, mutual funds, pension products and acting as business correspondent to other banks for credit products especially in rural areas and among the underserved segments of the society.

Set up as a 100% government owned Public Limited Company under the Department of Posts, it will open around 650 branches in district HQ locations. All 1.55 lacs

post offices including the 1.39 lac of the rural post offices will be the access points for IPPB. IPPB will usher in state of the art internet and mobile banking platforms, digital wallets and use innovative and emerging technologies to catalyse the shift from a cash dominant to a less cash economy.

While many other banks and financial institutions are working on the same theme, the strength of IPPB lies in its ability to ease access and handhold the adoption of new age banking and payments instruments among citizen of all walks of life through the delivery postmen and Grameen Dak sevaks, savings agents and other franchisees who will take banking to door steps.

IPPB thus aspires to be the most accessible, affordable and trusted bank for the common man with the motto - "No customer is too small, no transaction too insignificant, and no deposit too little".

Department of Posts is pleased to release a Commemorative Postage Stamp on India Post Payments Bank.

Credits:-

Text : Based on the material available on internet
Stamp / FDC / Brochure : Sh. Sankha Samanta
Cancellation Cachet



भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA



इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक
INDIA POST PAYMENTS BANK

विवरणिका
BROCHURE

भारतीय डाक पेमेंट बैंक

देश की शत-प्रतिशत वयस्क जनसंख्या को वित्तीय समावेशन के दायरे में लाना एक राष्ट्रीय उद्देश्य है। यह, देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में अभी काफी कमी है और देश की जनसंख्या का एक बड़ा भाग बैंकिंग सुविधा से वंचित है अथवा वहां बैंकिंग सुविधाएं बहुत कम हैं। समस्त भारत में अपनी उपस्थिति तथा नकदी और बचत प्रबंधन के क्षेत्र में अपने लम्बे अनुभव के साथ सर्वव्यापी डाकघर नेटवर्क को प्रभावी रूप से उपयोग में लाने के लिए, डाक विभाग द्वारा भारतीय डाक पेमेंट बैंक की स्थापना की जा रही है, जो वित्तीय समावेशन के अंतर को कम करेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक के अधिदेश के अनुसार, भारतीय डाक पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) सभी प्रकार के भुगतानों जैसी बुनियादी वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने पर फोकस करेगा। इन वित्तीय सेवाओं में सामाजिक सुरक्षा भुगतान, जनोपयोगी बिलों का भुगतान, एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को धन प्रेषण (घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय), एक लाख रुपये तक की शेषराशि वाले चालू और बचत खाते, बीमा, म्युचुअल फंड, पेंशन उत्पादों का वितरण तथा विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और समाज के अल्पसेवित वर्गों में क्रेडिट उत्पादों के लिए अन्य बैंकों के बिजनेस कॉरिसपोण्डेंट के रूप में कार्य करना शामिल है।

भारतीय डाक पेमेंट बैंक की स्थापना, डाक विभाग के अधीन 100% सरकारी स्वामित्व वाली पब्लिक लिमिटेड

कम्पनी के रूप में की जाएगी। इसके अंतर्गत, जिला मुख्यालय स्थलों पर लगभग 650 शाखाएं खोली जाएंगी। 1.39 लाख ग्रामीण डाकघरों सहित सभी 1.55 लाख डाकघर आईपीपीबी के सेवा-केन्द्र के रूप में कार्य करेंगे। आईपीपीबी, नवीनतम और उभरती हुई प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए अत्याधुनिक इंटरनेट एवं मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म तथा डिजिटल वॉलेट जैसी सेवाएं प्रदान करेगा ताकि नकदी आधारित अर्थव्यवस्था को नकदी पर अपेक्षाकृत कम आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित किया जा सके।

हालांकि, कई अन्य बैंक और वित्तीय संस्थान भी इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, परंतु, आईपीपीबी की ताकत यह है कि वितरण डाकियों और ग्रामीण डाक सेवकों, बचत एजेंटों और अन्य फ्रेंचाइजियों की मदद से यह बैंक, लोगों को उनके घर पर ही अत्याधुनिक बैंकिंग तथा भुगतान सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होगा।

इस प्रकार आईपीपीबी, जनसामान्य के लिए सर्वाधिक पहुंच वाला, किफायती और विश्वसनीय बैंक बन कर उभरने की आशा करता है। इसका आदर्श-वाक्य है - “हर ग्राहक खास, हर लेन-देन अहम और हर जमा विशेष”

डाक विभाग, भारतीय डाक पेमेंट बैंक पर स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

मूलपाठ : इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री पर आधारित

डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/ : श्री शंखा सामंत
विवरणिका/विरूपण



तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसा
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	300000
Stamps Printed	:	300000
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The above philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00